Shri Nilakantha Stava

श्रीनीलकण्ठस्तवः

Document Information

Text title : Shri Nilakantha Stava 02 55

File name : nIlakaNThastavaH.itx

Category : shiva

Location : doc_shiva

Proofread by : Aruna Narayanan

Description/comments : From stotrArNavaH 02-55

Latest update : July 25, 2021

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

February 3, 2023

sanskritdocuments.org

Shri Nilakantha Stava

श्रीनीलकण्ठस्तवः

नमो भूतनाथं नमो देवदेवं
नमः कालकालं नमो दिव्यतेजः ।
नमः कालभस्मं नमः शान्तशीलं
भजे पार्वतीवल्लभं नीलकण्ठम् ॥ १॥

सदा तीर्थसिद्धं सदा भक्तरक्षं
सदा शैवपूज्यं सदा शुभ्रभस्मम् ।
सदा ध्यानयुक्तं सदा ज्ञानतल्पं
भजे पार्वतीवल्लभं नीलकण्ठम् ॥ २॥

श्मशाने शयानं महास्थानवासं
शरीरं गजानां सदा चर्मवेष्टम् ।
पिशाचा(आदिनाथं)पशूनां प्रतिष्ठं
भजे पार्वतीवल्लभं नीलकण्ठम् ॥ ३॥

फणीनागकुण्ठे(कण्ठं)भुजङ्गाद्यनेकं(ङ्गभूषं)
गले रुण्डमालं महावीरशूरम् ।
कटिव्याघ्रचर्माञ्चिताभस्मलेपं
भजे पार्वतीवल्लभं नीलकण्ठम् ॥ ४॥

शिरश्शुद्धगङ्गं शिवावामभागं
वियद्दीर्घकेशं सदा मां(सहोमं)त्रिनेत्रम् ।
फणीनागकर्णं सदास्भालचन्द्रं
भजे पार्वतीवल्लभं नीलकण्ठम् ॥ ५॥

करे शूलधारं मरा(महा)कष्टनाशं
सुरेशं परेशं महेशं जनेशम् ।
धने चारु ईशं(धनेशस्यमित्रं)ध्वजेशं गिरीशं
भजे पार्वतीवल्लभं नीलकण्ठम् ॥ ६॥

उदासं सुदासं सुकैलासवासं
    धरानिर्झरे संस्थितं ह्यादिदेवम् ।
अजं हेमकल्पद्रुमं कल्पसेव्यं
    भजे पार्वतीवल्लभं नीलकण्ठम् ॥ ७॥

मुनीनां वरेण्यं गुणं रूपवर्णं (?)
    द्विजा सम्पठन्तं (द्विजैः स्तूयमानं)शिवं वेदशास्त्रैः ।
अहो दीनवत्सं कृपालुं शिवं हि(तं)
    भजे पार्वतीवल्लभं नीलकण्ठम् ॥ ८॥

सदा भावनाथं सदा सेव्यमानं
    सदा भक्तिदेवं सदा पूज्यमानम् ।
महातीर्थवासं सदा सेव्यमेकं
    भजे पार्वतीवल्लभं नीलकण्ठम् ॥ ९॥

॥ इति श्रीनीलकण्ठस्तवः सम्पूर्णः ॥

Proofread by Aruna Narayanan

Shri Nilakantha Stava

pdf was typeset on February 3, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*